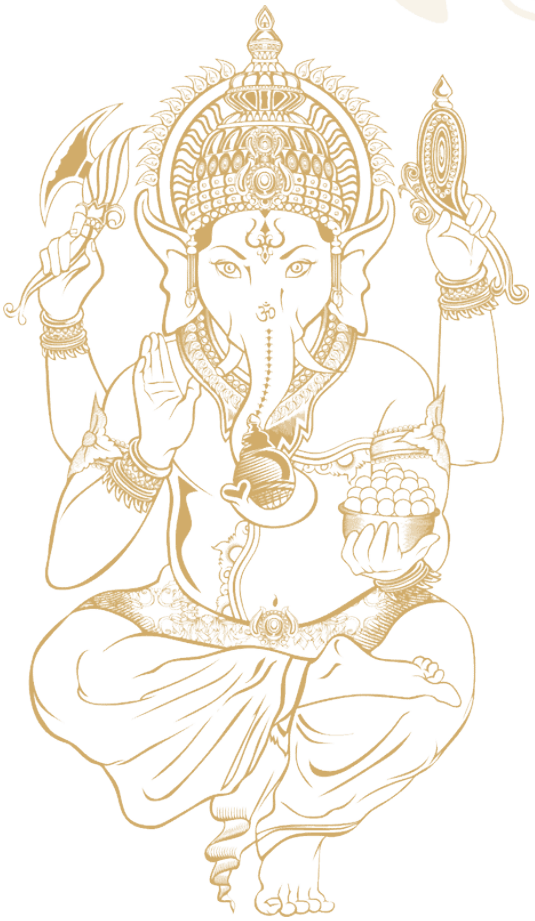

Vishal

Rita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121553206

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/03/1989	जन्म तिथि	09/02/1988
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 22:20:00	जन्म समय	07:40:00 घंटे
घटी 39:18:20	जन्म समय(घटी)	01:33:15 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:36:40	सूर्योदय	07:02:42
18:34:59	सूर्यास्त	18:18:44
23:42:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:41:30

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 6मा 8दि	22:16:02	तुला	लग्न	कुंभ	06:06:52	मंगल 1वर्ष 5मा 1दि
शनि	00:22:47	मीन	सूर्य	मक	25:50:40	शनि
21/09/2024	03:45:56	मिथु	चंद्र	तुला	03:57:38	12/07/2023
22/09/2043	08:19:15	वृष	मंगल	वृश्चि	27:20:03	12/07/2042
शनि 25/09/2027	12:33:37	कुंभ	बुध व	कुंभ	00:20:10	शनि 15/07/2026
बुध 04/06/2030	06:49:25	वृष	गुरु	मेष	00:57:49	बुध 24/03/2029
केतु 14/07/2031	25:00:00	कुंभ	शुक्र	मीन	05:46:09	केतु 03/05/2030
शुक्र 13/09/2034	18:58:51	धनु	शनि	धनु	05:52:56	शुक्र 03/07/2033
सूर्य 26/08/2035	11:02:31	कुंभ	राहु	कुंभ	29:47:37	सूर्य 15/06/2034
चन्द्र 26/03/2037	11:02:31	सिंह	केतु	सिंह	29:47:37	चन्द्र 14/01/2036
मंगल 05/05/2038	11:20:31	धनु	हर्ष	धनु	06:03:28	मंगल 22/02/2037
राहु 11/03/2041	18:25:24	धनु	नेप	धनु	15:28:32	राहु 30/12/2039
गुरु 22/09/2043	21:16:54	तुला व	प्लूटो	तुला	18:53:03	गुरु 12/07/2042

लग्न-चलित

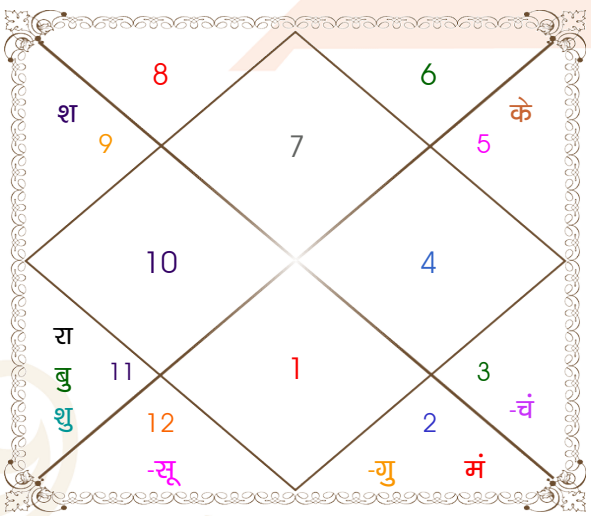

लग्न-चलित

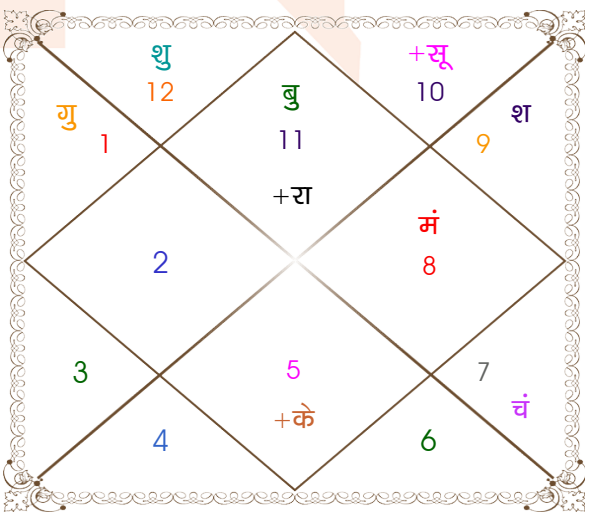

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Vishal का नक्षत्र मृगशिरा है।

Vishal का वर्ग मार्जार है तथा त्पजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vishal और त्पजं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Vishal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Vishal कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्पजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि त्पजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

Vishal तथा त्पजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।